Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 1

www.himwats.org

रजिस्ट्रेशन नं.: 758/1997-98

साविद्या स्मारिका

वर्ष: 2023 अंक: 16

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति
ग्रामः डड़ा (चम्पावत), उत्तराखंड

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 2

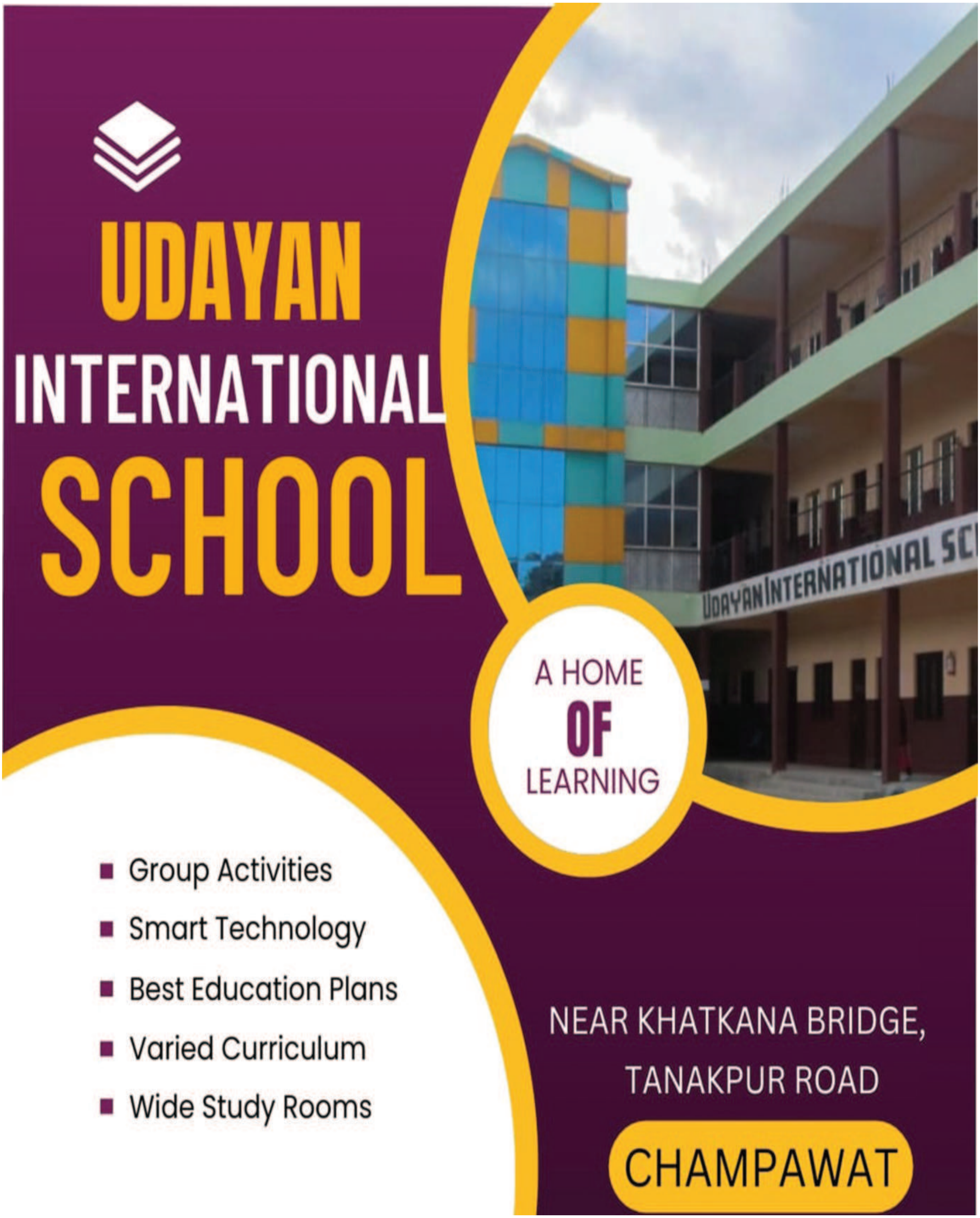

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 3

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति
ग्राम : डड़ा (चम्पावत)

ईमेल : **himwatschampawatoffice@gmail.com**
वेबसाइड : **www.himwats.org**

समिति संस्थापक : श्री त्रिभुवन कुमार बिष्ट
एमरेटस सचिव : प्रो. एच.डी. बिष्ट

सम्पादक मण्डल
श्री आशुतोष उपाध्याय
श्री चन्द्रमोहन जोशी
श्री राजेन्द्र गहतोड़ी
डॉ. बी.सी. जोशी

वित्त प्रबंधन
डॉ. जी.बी. बिष्ट
श्री के.एस. मेहरा
श्री राजेन्द्र गहतोड़ी

कार्यक्रम प्रबंधन
श्री चन्द्रमोहन जोशी
डॉ. बी.सी. जोशी

संकलन
प्रकाश पुनेठा
नीमा उपाध्याय

प्रारूप
गौरव बोहरा
पंकज बोहरा

स्मारिका डिजाइन
सीमा रावत

आवरण चित्र : साविद्या द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के चित्र

साविद्या स्मारिका-2023

वर्ष : 2023 अंक : 16

अनुक्रम

1. सम्पादकीय 4
2. सन्देश 5–6
3. हिमवत्स समिति 7
4. हिमवत्स के बारे में 8–9
5. वर्ष 2022–23 के दानदाता 10
6. हिमवत्स छात्रवृत्तियां 11–12
7. अकादमिक क्रियाकलाप
   - यूकॉस्ट समर्थित बाल विज्ञान मेला शृंखला 13–14
   - अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाएं 15
   - जिला संदर्भ समूह प्रशिक्षण कार्यशाला 16
   - झलकियां 17–20
   - जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पूर्वाभ्यास 21
   - राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 22
   - अन्तरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 2023 23
   - तीन दिवसीय ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में हिस्सेदारी 24
   - किताब कौतिक एवं पुस्तक मेलों में शिरकत 25–26
     - टनकपुर पुस्तक मेला
     - किताब कौतिक बैजनाथ (बागेश्वर)
     - किताब कौतिक चम्पावत
8. गैर–अकादमिक क्रियाकलाप
   - साविद्या स्मारिका 2022 का विमोचन 27
   - राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण जागरूकता शिविर 28
   - 13वां विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 28
   - विश्व योग दिवस वर्ष 2023 29
9. छात्रवृत्ति वितरण समारोह 30–31
10. आलेख 32–33
11. तुम खुद ही एक दवा हो! 34

सम्पादकीय

हिमवत्स स्मारिका का 16वां अंक आपके हाथों में है। विगत वर्षों में हिमवत्स ने शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संवर्धन की दिशा में क्षमता भर प्रयास किए और अपनी पहचान बनायी। लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में स्थितियाँ बहुत उम्मीद नहीं जगातीं।

हमारा अनुभव बताता है कि अच्छी शिक्षा के लिए पठन-पाठन को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण पहली जरूरत है। यह वातावरण न केवल विद्यालय में वरन बच्चे के घर व सामाजिक परिवेश में भी होना चाहिए। जिन जीवन मूल्यों में हम अपने बच्चों में पुष्पित-पल्लवित होते देखना चाहते हैं, वे उनके घर, परिवार और समाज में लहलहाते दिखाई पड़ने चाहिए। इस दृष्टि से यदि हम आज समाज की ओर देखते हैं तो स्थितियाँ बहुत उत्साहजनक प्रतीत नहीं होती हैं।

हिमालय के जिस भू-भाग में हम रहते हैं, वह बहुधा पलायन और आपदाओं के कारण चर्चा में रहता है। हमारे प्रतिभाशाली युवा राज्य से पलायन कर जाने को ही अपने लिए श्रेयस्कर समझते हैं। अपनी जड़ों में उन्हें अपना भविष्य नहीं दिखाई पड़ता। एक कठिन भूगोल में बने रहने की जिस टिकाऊ जीवन शैली को हमारे पुरखों ने सैकड़ों वर्षों में विकसित किया, हमारे बच्चों को उसमें कुछ भी सहेजने लायक नहीं लगता। वे प्रथमतः यहां से पलायन करना ही बेहतर समझते हैं अन्यथा ऐसी जीवनशैली अपना लेते हैं जो यहां की पारिस्थितिकी के अनुकूल नहीं है। परिणामस्वरूप हम अपनी पर्वतीय पहचान तो खो ही रहे हैं, हमारा जीवन भी संकट में घिरा नजर आने लगा है।

आज जिस तरह से हिमालय के संसाधनों का दोहन हो रहा है, वह इसके अस्तित्व के लिए खतरनाक है। हमारे देखते-देखते नदी, पहाड़, जंगल, पानी सभी संकट में आ गए और हम इसको लेकर चिंतित भी नहीं हैं। अगर ध्यान से देखें तो हमें पता लगेगा कि हमारी शिक्षा भी इन परिस्थितियों पर मौन साधे रखती है। हम अपने बच्चों को अपने पहाड़ों, नदियों, जंगलों और विरासत से प्रेम करना नहीं सिखाते। हम उन्हें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहने के सुख का आस्वादन नहीं कराते।

सच्ची शिक्षा वही हो सकती है, जो मनुष्य में सृष्टि मात्र के प्रति प्रेम का पाठ पढ़ाए। बच्चे अपने परिवेश से लगाव महसूस करें और इसके भविष्य को अपनी नियति से जोड़कर देखना शुरू करें। वे समझ पाएं कि दूर-दराज महानगरों में दो जून की रोटी के लिए खटने से बेहतर है, अपने गाँव में अच्छे जीवन के लिए कुछ प्रयोग किए जाएं।

शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति हिमवत्स का समर्पण भी शिक्षित एवं स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में किया जाने वाला एक विनम्र प्रयास है। इस प्रयास में हम कितना कुछ दे पाए, यह हमारे सहयोगी, संरक्षक, मित्र एवं सुधीजन ही बता पाएंगे।

— संपादक मण्डल

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 5

शुभकामना संदेश

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001

उत्तराखण्ड राज्य

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम डड़ा, चम्पावत (उत्तराखण्ड) द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी ''साविद्या स्मारिका 2023'' के 16वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। समिति द्वारा सरकारी विद्यालयों के गरीब व समाज में पिछडे. छात्र-छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विज्ञान के प्रति अभिरुचि पैदा करने के साथ-साथ कम्प्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय की सुविधा एवं महाविद्यालयी छात्र-छात्राओं को गर्ल्स इण्टर्नशिप के माध्यम से ''अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेलों'' का प्रशिक्षण देकर राजकीय इण्टर कालेजों में विज्ञान मेलों का आयोजन कर बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। समिति द्वारा 2022-2023 में किये गये कार्यकलापों एवं सामाजिक हित में किये गये प्रयासों को एक स्मारिका के रूप में प्रकाशित किया जाना निःसंदेह प्रशंसनीय है। मुझे यह भी आशा है कि समिति भविष्य में भी गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले छात्र-छात्राओं के सवार्गीण विकास के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार के साथ-साथ छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति अभिरुची जागृत हो सके।

मेरी ओर से हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम डड़ा, चम्पावत (उत्तराखण्ड) द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी ''साविद्या स्मारिका 2023'' के 16वें अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

(पुष्कर सिंह धामी)
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 6

शुभकामना संदेश

उत्तराखण्ड राज्य

श्री नवनीत पाण्डेय
जिलाधिकारी
चम्पावत (उत्तराखण्ड)

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति ग्राम-डड़ा चम्पावत (हिमवत्स) द्वारा जनपद- चम्पावत (उत्तराखण्ड) में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ''साविद्या स्मारिका 2023'' के 16वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। संस्था प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को गोद लेकर उनमें छात्रों के शैक्षिक उन्नयन एवं विकास हेतु डिजिटल तकनीकी, विज्ञान प्रयोगशाला एवं टैबलेट के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। समिति सरकारी विद्यालयों के गरीब व समाज में पिछड़े वर्गों के छात्र-छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता के साथ विज्ञान के प्रति अभिरुचि पैदा करने हेतु वर्ष 2015 से इण्टरनैट/ टैबलेट, प्रोजेक्टर, कंप्युटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करा रही है। वर्तमान में स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए गर्ल्स इण्टर्नशिप तथा स्कूली बच्चों के साथ अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

वर्ष 2020-21 में चंपावत में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना में भी संस्था का विशेष योगदान रहा है। आशा करता हूं कि भविष्य में भी संस्था एवं इससे जुड़े सभी संदस्यों का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान मिलता रहेगा।

मैं संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित

(नवनीत पाण्डेय)
जिलाधिकारी चम्पावत

हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति चम्पावत

ईमेलः himwatschampawatoffice@gmail.com (चम्पावत) himwats.office@gmail.com (हल्द्वानी)
वेबसाइडः www.himwats.org

संस्थापक/एमेरटस सचिवः		प्रो. एच.डी. बिष्ट	ई.मेलः haribist@yahoo.com	मो.नं.: 8941032868
अध्यक्ष	:	डॉ. के.के. पाण्डे	ई.मेलः pandekk@gmail.com	मो.नं.: 9528202632
सचिव	:	डॉ. जी.बी. बिष्ट	ई.मेलः gbbisht@yahoo.co.uk	मो.नं.: 9412963619
उपाध्यक्ष	:	श्री आशुतोष उपाध्याय	ई.मेलः ashu.upadhyay@gmail.com	मो.नं.: 9871245557
कोषाध्यक्ष	:	श्री के.एस. मेहरा	ई.मेलः mehrantb@yahoo.com	मो.नं.: 7830599937
सदस्य	:	प्रो. पी.बी. बिष्ट	ई.मेलः bisht@iitm.ac.in	मो.नं.: 9444771994
सदस्य	:	डॉ. भुवन चन्द्र जोशी	ई.मेलः drbcjoshi@gmail.com	मो.नं.: 9411116112
सदस्य	:	श्री राजेन्द्र गहतोड़ी	ई.मेलः rgahtori1974@gmail.com	मो.नं.: 9411546795
सदस्य	:	श्री गणेश पन्त	ई.मेलः gpant@yahoo.com	मो.नं.: 8279678799

1. सोसाइटी रजि. एक्ट. क्र. 758/1997-98 नवीनीकृत 1222006068/दिनांक 10/11/2027 तक
2. विदेशी सहायता नियम अधिनियम के तहत पंजीकरण क्र. 347890007 दि. 23/01/2008
   नवीनीकरण तिथि 12/05/2022 नवीनीकृत दिनांक 30-06-2027 तक
3. दर्पण नीति आयोग यूनीक आई. डी. - UA@2016@0108076
4. आयकर छूट- भारतीय दान दाताओं हेतु 10AC/80G के अन्तर्गत AAAJH0221L F2023/ Dated 01-11-2023 from AY 2024-25 to AY 2026-27
5. 12 एए के तहत आदेश- AAAJH0221LF20085 Date 02/10/2021 from AY 2022-23 to 2026_2027
6. सी.एस.आर. रजि. नं.: CSR00021627/02-02-2022 (SRN-T75708404)
7. पैन रजि.- PAN No. AAAJH0221L

समिति के बैंक खाता ब्यौरा

Bank	SBI Champawat	SBI HLD(savidya)	SBI HLD (FCRA)	SBI Delhi (FCRA)
A/C Name	Himalaya Water Service Tatha Vikas Evam Paryavaran Sanraksha	Himalaya Water Service Tatha Vikas Avm Parya SSS Upsamit	Himalaya Water Service Tatha Vikas Avm Parya SSS Upsamit	Himalaya Water Service Tatha Vikas Avm Parya SSS Upsamit
A/C no.	10831017754	11178424017	11178424028	40106631927
CIF No.	80668886220	80957510520	80957510520	
IFSC	SBIN0001249	SBIN0000646	SBIN0000646	SBIN0000691
MICR	262002010	263002014	263002014	
SWTFT				SBININBB104
Ph. no.	05965 - 230024	05946 - 220128	05946 - 220128	011-23374390/4392/4143
Email	Sbi.01249@sbi.co.in	Sbi.00646@sbi.co.in	Sbi.00646@sbi.co.in	Fcra.00691@sbi.co.in

हिमवत्स के बारे में

एकाधिक कारणों से मध्य हिमालयी बसासतें पिछले कुछ दशकों से पानी के संकट का सामना कर रही हैं। तेजी से बढ़ते नगरीकरण ने पानी की खपत में अभूतपूर्व वृद्धि की है। चम्पावत भी इससे अछूता नहीं है। खास तौर पर गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत विकराल रूप धारण कर लेती है। इस समस्या के निवारण के लिए डड़ा (चम्पावत) के और वर्तमान में अमेरिकावासी श्री त्रिभुवन कुमार बिष्ट की प्रेरणा से 1997 में हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिमि (हिमवत्स) की स्थापना की गयी। इसके अलावा संस्था ने स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण, संग्रहीत पेयजल की स्वच्छता, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के सवंर्धन तथा साधनहीन बच्चों को शैक्षिक सहायता जैसे कार्यक्रमों के संचालन का बीड़ा उठाया।

वर्ष 2004-05 में संस्था के संरक्षक एवं आईआईटी कानपुर के भौतिकविज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष प्रो. एच.डी. बिष्ट ने प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य रक्षा में सहयोग हेतु ‘साविद्या’ उपसमिति की स्थापना की। साथ ही उन्होंने हल्द्वानी स्थित अपने आवास में संस्था के मुख्य शाखा कार्यालय का भी निर्माण कराया। वर्ष 2012 में संस्था के कार्यक्षेत्र का अखिल भारतीय स्तर पर विस्तार देने हेतु पंजीकृत कराया गया। परिणामस्वरूप हिमवत्स संस्था चम्पावत जनपद के अन्यत्र भी सेवाएं देने हेतु निरंतर प्रयासरत रहती है।

वर्ष 2005-06 में राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुलेठी को अंगीकृत करने के उपरान्त संस्था आज सात प्राइमरी, दो जूनियर हाईस्कूल, दो राजकीय इंटर कॉलेज (दुबाचौड़ व चम्पावत) सहित कुल 11 विद्यालयों में नियमित रूप से सहयोग प्रदान कर रही है। संस्था के प्रयासों से इन विद्यालयों में शिक्षण सक्रियता बढ़ी है, विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में गुणात्मक प्रगति, पठन-पाठन में रुचि, स्वास्थ्य रक्षा के प्रति चेतना में वृद्धि हुई है। साथ ही स्थानीय जनता व अभिभावकों में भी जागरूकता बढ़ी है।

एक कक्षा में एक शिक्षक की अवधारणा को बल देते हुए हिमवत्स ने समय-समय पर अंगीकृत विद्यालयों में स्थानीय स्वयंसेवी शिक्षक ‘स्वयं पढ़ो और पढ़ाओ’ के सिद्धांत पर मानदेय सहित तैनात किये। इन विद्यालयों को डिजिटल टेबलेट, वीडियो, इंटरनेट आदि की व्यवस्था के साथ-साथ खेलकूद सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। केन्द्रीय स्तर पर कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्राथमिक विद्यालय कुलेठी परिसर में सामुदायिक डिजिटल शिक्षा और विज्ञान संसाधन केंद्र का भवन निर्मित किया गया। केन्द्र में प्रख्यात भौतिकविद पद्मश्री प्रो. एच.सी. वर्मा के सहयोग से बनी विज्ञान प्रयोगशाला के अलावा चक्रीय पुस्तकालय, कम्प्यूटर केंद्र, सिलाई प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था भी की गई। क्षेत्र के लोगों व विद्यार्थियों की हर प्रकार की वैज्ञानिक गतिविधियों से अवगत कराने के लिए हिमवत्स की ओर से प्रति वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, पृथ्वी दिवस एवं पर्यावरण दिवस आदि का आयोजन भी किया जाता है।

वर्ष 2021 से संस्था ने विज्ञान शिक्षा को बोधगम्य एवं लोकप्रिय बनाने हेतु विशेष अभियान छेड़ा है। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के अकादमिक सहयोग से हिमवत्स द्वारा आयोजित की जाने वाली अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाएं बच्चों व शिक्षकों के बीच अभूतपूर्व लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। परिणामस्वरूप जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की ओर से संस्था को नियमित रूप से आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि जिले के विज्ञान शिक्षकों को अनुभव आधारित विज्ञान शिक्षण की नवाचारी पद्धति में प्रशिक्षित किया जा सके।

संस्था की हाल की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है राजकीय जूनियर हाइस्कूल कुलेठी में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना को मंजूरी दिलवाना। आम तौर पर अटल टिंकरिंग लैब इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालयों में ही स्थापित की जाती है लेकिन संस्था के संरक्षक प्रो. एच.डी. बिष्ट के अथक प्रयासों से यह जूनियर हाइस्कूल में स्थापित की जा सकी है और अब छात्र-छात्राएं इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

संस्था द्वारा विद्यार्थियों व युवक-युवतियों को विभिन्न शैक्षिक व शिक्षणेत्तर गतिविधियों में सहयोग दिया जा रहा है। इनमें प्रमुख हैंः 21वीं सदी के लिए अनिवार्य ई-साक्षरता, योग एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, बच्चों को जवाहर/राजीव नवोदय विद्यालय प्रवेश, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एवं एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा तथा बाल विज्ञान कांग्रेस आदि के लिए प्रशिक्षण, टेबलेट के माध्यम से शिक्षा। संस्था के स्वयंसेवकों द्वारा कक्षावार, विषयवार व पाठ्यक्रमानुसार नवीन

तकनीक यथा- इंटरनेट, प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से शिक्षण कार्य किया जाता है। ज्ञानवर्धक डिजिटल कंटेंट, प्रोजेक्टर आदि से शिक्षण कार्य की गुणवत्ता को बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुस्तकालय में ज्ञानोपयोगी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बंधित पुस्तकें उपलब्ध करायी गयी है।

संस्था के नवीनतम कार्यक्रमों में विज्ञान स्नातक कर रही स्थानीय छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन के लिए चलाया जा रहा गर्ल्स इंटर्नशिप प्रोग्राम उल्लेखनीय है। साथ ही अन्य संस्थाओं के साथ साझेदारी हेतु एलायंस फॉर साइंस प्रोग्राम, दूरस्थ विज्ञान गतिविधियों के लिए साइंस आउटरीच प्रोग्राम आदि कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

साविद्या उपसमिति

हिमवत्स समिति का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षा या अन्य कौशल आधारित क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद देना है। साविद्या उपसमिति का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद ताकि उन्हें भविष्य में सरकार द्वारा संचालित जवाहर/नवोदय विद्यालयों में प्रवेश मिल सके। इस उद्देश्य के लिए संस्था लगातार प्रयास कर रही है। बच्चों में प्रतियोगिताओं के प्रति जागरूकता, खेलकूद में रुचि तथा सामाजिक कार्यों में सहभागिता की समझ पैदा करना भी साविद्या का उद्देश्य है।

संस्था के कार्यकारिणी सदस्य

नाम	पद	पता	फोन नम्बर
प्रो. के.के. पाण्डे	अध्यक्ष	5-609, मल्ला गोरखपुर, हल्द्वानी	9528202632
श्री आशुतोष उपाध्याय	उपाध्यक्ष	आश्रय, राजलक्ष्मी विहार, देवलचैड़ खाम, हल्द्वानी	8076072918
डा. जी.बी. बिष्ट	सचिव	शुभम करोति, दुर्गा कालोनी, हल्द्वानी	9412963619
श्री के.एस. मेहरा	कोषाध्यक्ष	5-265, मल्ला गोरखपुर, तिकोनिया, हल्द्वानी	7830599937
प्रो. प्रेम बी. बिष्ट	सदस्य	आई.आई.टी. मद्रास	9444771994
श्री राजेन्द्र गहतोड़ी	सदस्य	पिथौरागढ़ रोड, चम्पावत	9411546795
श्री बी.सी. जोशी	सदस्य	ग्राम-पैती, पो. फुंगर, चम्पावत	9411116112

साविद्या के आर्थिक स्रोत

1. डॉ. एच.डी. बिष्ट के परिवार जनों द्वारा प्रदत्त धनराशि
2. श्री आर.सी. पन्त द्वारा दी गई धनराशि से अर्जित ब्याज से बच्चों को गिरिबाला पन्त छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
3. संस्था के सम्मानित सदस्यों व दानदाताओं द्वारा पूर्व में प्राप्त धनराशी से उत्सर्जित ब्याज।
4. स्मॉल स्टेप फाउंडेशन, आशा फॉर एजुकेशन, कैलीफोर्निया द्वारा पूर्व में प्रदत्त धनराशि के ब्याज से।
5. इंडियन फॉर कलेक्टिव एक्शन से प्राप्त धनराशि। ■

हिमवत्स समिति

वर्ष 2022-23 के दानदाता

संस्थागतः

आ.ई.का. (यू.एस.ए.) 7,86,547

कॉर्पस फन्ड में व्यक्तिगतः

दानदाता	राशि	दानदाता	राशि	दानदाता	राशि
डॉ. एच.डी. बिष्ट	110000	डॉ. जी.बी. बिष्ट	100000	निर्मला बिष्ट	50000
दिनेश चंद्र पाण्डे	19500	रजत पाण्डे	30000	दिव्या पाण्डे	40000
प्रो. इन्दु पाठक	50000	सी.एम.जोशी	10000	रजनी हेम जोशी	5000
डॉ. आर.के. जोशी	20000	कैलाश पांडे	2000	डॉ. ए.बी. मवार	20000
हरीश खर्कवाल	2000	राजेन्द्र गहतोड़ी	1000	प्रकाश तिवारी	1000
पंकज जोशी	2000	प्रकाश जया वनजानी	20000	डॉ. पी.सी. गुरुरानी	12000
बीनू जैन	11000	हरीश बरोला	1000	सुशील बिष्ट	10000
डॉ. मीना भट्ट	5000	उदित तिवारी	5000	डॉ. एस.एस. भारद्वाज	11000
डॉ. वाई.पी. सिंह	5000	दिनेश चंद्र बिष्ट	1100		
श्री त्रिभुवन कुमार बिष्ट नियमित दानदाता					
परियोजना वित्त पोषण					
यूकॉस्ट देहरादून	1,60,000				
स्मारिका हेतु विज्ञापन					
आम्रपाली इंस्टीट्यूट	11000				
उदयन स्कूल	10000				
कुल धनराशि			**5,64,600**		

उक्त प्राप्त धनराशि बैंक में सावधि खाते (छात्रवृत्ति कोष) में जमा की गयी है। जिसके ब्याज से अर्जित धनराशि से सरकारी विद्यालयों के गरीब एवं मेधावी छात्रों को पूर्व की भांति छात्रवृत्तियां बांटी जायेगी। ■

हिमवत्स छात्रवृत्तियां

हिमवत्स संस्था वर्ष 2004 से विभिन्न दानदाताओं द्वारा दी गई धनराशी से प्राप्त ब्याज से निरंतर छात्रवृत्तियां दे रही है। अभी तक संस्था द्वारा 1343 विद्यार्थियों को रु0 1994000 धनराशी की छात्रवृत्तियां बांटी गयी है।

विद्यालयों का नामः

1. रा.इ.का. बानना भीमताल	2. रा.क.इ.का. खुपार्ताल	3. रा.उ.मा.वि. मिदनापुर गदरपुर
4. रा.इ.का. मोतीनगर	5. रा.बा.इ.का. नैनीताल	6. रा.बा.इ.का. भटेलिया नैनीताल
7. रा.इ.का. भीमताल	8. रा.इ.का. कुसुमखेड़ा,	9. रा.इ.का. मंगोली नैनीताल
10. रा.बा.इ.का. चम्पावत	11. रा.क.पू.मा.वि. कुलेठी	12 रा.उ.मा.वि. पल्सों
13 रा.इ.का. सिप्टी,	14. रा.इ.का. चैड़ाकोट	15. रा.उ.मा.वि. नरसिंहडाड़ा
16. रा.उ.मा.वि. फुंगर	17. रा.इ.का. दुबचौड़ा	18. रा.इ.का. चम्पावत
19. रा.इ.का. टनकपुर	20. रा.बा.इ.का. बनवसा	21. रा.बा.इ.का. ऐंचोली, पिथौरागढ़
22. ज.पू.मा.वि. मुडियानी	23. रा.इ.का. लोहाघाट	24. रा.बा.इ.का. हल्द्वानी
25. रा.बा.उ.मा.वि.राजपुरा हल्द्वानी	26. रा.प्रा.वि. कुलेठी	27. रा.उ.प्रा.वि. डुंगरासेठी
28. कू.ए.स.वि. चम्पावत	29. रा.इ.का.गर्खा पिथौरागढ़	30. ज.उ.मा.वि. मुडियानी
31. अ.आ.रा.इ.का. पुलहिण्डोला	32. रा.उ.मा.वि. खर्ककार्की	

हिमवत्स समिति

स्थाई छात्रवृत्तियां:

1. गिरिबाला पन्त छात्रवृत्ति (आर.सी. पंत द्वारा अपनी पत्नी की स्मृति में): इस वर्ष 21 छात्रों को रु. 41500 की धनराशि इस छात्रवृत्ति के तहत वितरित की गयी।
2. साविद्या छात्रवृत्ति (बिष्ट परिवार, सम्बंधी एवं उनके मित्रगणों द्वारा): इस वर्ष 40 छात्रों को रु. 73000 की धनराशि इस छात्रवृत्ति के तहत चम्पावत में वितरित की गयी।
3. आ.ई.का. (संगीता बिष्ट शंकर) द्वारा 14 छात्रों को रु. 24000 धनराशि की छात्रवृत्ति वितरित की गयी।
4. वर्तमान अस्थाई छात्रवृत्तियां: बसंती पाण्डे छात्रवृत्ति (पौत्र के.के.पाण्डेय) द्वारा 5 छात्राओं को रु.7500 की बांटी गयी।

क्र.	विद्यालय	छात्र/छात्रा	कक्षा	छात्रवृत्ति	दानदाता
1.	रा.बा.इ.का. हल्द्वानी	दिया जोशी, आशा मौर्य	9	सुमेधा कुमारी	डा. मधु बाला
2.	रा.बा.इ.का. नैनीताल	बानी आर्या	10	हरिश चन्द्र पंत	पार्थ पंत
3.	रा.प्रा.वि. कुलेठी	अनीशा, पूर्णिमा रावत	5, 4	एच.डी. बिष्ट	एच.डी. बिष्ट
4.	रा.उ.प्रा.वि.डुंगरासेठी	राखी भण्डारी	8	नारायण दत्त जोशी	एच.डी.बिष्ट
5.	रा.उ.प्रा.वि.डुंगरासेठी	मीरा बडोला	7	दुर्गा त्रिपाठी	कमला त्रिपाठी
6.	कू.ए.स.वि. चम्पावत	गौरव बिष्ट	9	प्रेमा जोशी	मीनाक्षी/अपर्णा पन्त
7.	रा.इ.का. चम्पावत	अभिषेक बोहरा	12	एम.के. जोशी	मीनाक्षी/अपर्णा पन्त
8.	कू.ए.स.वि. चम्पावत	दयाशंकर जोशी	9	कमला जोशी	माया त्रिपाठी
9.	कू.ए.स.वि. चम्पावत	हिमांशु थ्वाल	10	पूर्णानन्द जोशी	एच.डी.बिष्ट
10.	कू.ए.स.वि. चम्पावत	अरविन्द जोशी	11	मुरलीधर शास्त्री.	माया त्रिपाठी
11.	कू.ए.स.वि. चम्पावत	नन्दन सिंह	12	पद्मा त्रिपाठी	माया त्रिपाठी
12.	रा.इ.का. चम्पावत	कोमल सिंह	12	जतिन त्रिपाठी	माया त्रिपाठी
13.	रा.उ.मा.वि. पल्सों	नेहा जोशी, मनीष जोशी	10	कान्ति जैन	बीनू जैन
14.	रा.इ.का. गर्खा पिथौरागढ़	सार्थक पन्त, चेतना सामन्त	9	पद्मावती यामिनी अवस्थी	निर्मला बिष्ट
15.	रा.इ.का. पदमपुरी	रितिक बिष्ट	11	शांति देवी मवार	डॉ. ए.बी. मवार (मथुरा)
16.	रा.इ.का. सिप्ती	हिमांशु भट्ट	11	चिदानंद पांडे	दिनेश चंद्र पांडे (लखनऊ)
17.	रा.बा.इ.का. चम्पावत	शिवानी	10	दुर्गा दत्त पांडे	कैलाश चंद्र पांडे (मांडली)

यूकॉस्ट समर्थित

बाल विज्ञान मेला श्रृंखला

हिमवत्स संस्था द्वारा जनपद चम्पावत में विज्ञान शिक्षण में बदलाव के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों को गति प्रदान करने हेतु चम्पावत जिले के विभिन्न राजकीय इण्टर कालेजों मे अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेला कार्यशालाओं के वित्तपोषण के लिए उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (UCOST) देहरादून को आवेदन किया गया। जनवरी 2023 के प्रथम सप्ताह में यूकॉस्ट देहरादून ने इस लघु परियोजन को स्वीकृति प्रदान की, जिसके उपरांत जनपद में कुल ग्यारह बाल विज्ञान कार्यशालाओं एवं विज्ञान मेलों का आयोजन किया गया।

विज्ञान कार्यशालाओं का उद्देश्यः अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेला कार्यशाला के अंतर्गत जूनियर स्तर के विद्यार्थी अपने विज्ञान पाठ्यक्रम से संबधित 30 अलग-अलग प्रकरणों पर वर्किंग मॉडल बनाते हैं। मॉडलों को बनाने के बाद वे इनकी कार्य प्रणाली पर चर्चा करते हैं और अंत में एक भव्य विज्ञान मेले में इनका प्रदर्शन करते हैं। विद्यालय के शेष विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मेले का अवलोकन करते हैं।

परियोजना हेतु कार्यकर्ता प्रशिक्षणः परियोजन के संचालन के लिए सर्वप्रथम हिमवत्स के स्वयंसेवकों को अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेला कार्यशाला के आयोजन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन के प्रशिक्षकों द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में स्वयंसेवकों को विज्ञान मेला कार्यशाला के आयोजन की बारीकियां

अकादमिक क्रियाकलाप

समझाई गयीं। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों ने 30 विज्ञान मॉडलों की निर्माण विधि को समझ कर उनका निर्माण किया तथा उनकी कार्यप्रणाली पर अपनी समझ पक्की की।

विद्यालयों में बाल विज्ञान मेला कार्यशालाएं: प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरान्त पहली अनुभव आधारित बाल विज्ञान मेला कार्यशाला का आयोजन 23 जनवरी से 25 जनवरी 2023 के दौरान राजकीय इण्टर कालेज अमोड़ी (चम्पावत) में किया गया। प्रशिक्षकों ने कक्षा 6, 7, 8 के 40 छात्र-छात्राओं को 8 अलग-अलग समूह बांटकर प्रथम दो दिन 30 वर्किंग मॉडल बनवाए। तीसरे और कार्यशाला के अन्तिम दिन विद्यालय के प्रांगण में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपने बनाये मॉडलों का एक भव्य विज्ञान मेले में प्रदर्शन किया। विज्ञान मेले में विद्यालय के सभी बच्चों ने प्रदर्शित मॉडलों को देखा तथा उनके बारे में जानकारी प्राप्त की।

इसी तरह चम्पावत जनपद के कुल 11 विद्यालयों में तीन दिवसीय अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाएं आयोजित की गयीं ।

क्र.	विद्यालय का नाम	दिनांक छात्र	ब्लाक	प्रतिभागी विद्यार्थी	विद्या. के लाभान्वित वि.	अन्य विद्या. के लाभान्वित वि.	कुल दर्शक
1	रा.इ.का. अमोड़ी	23-25 जनवरी	चम्पावत	41	140	35	215
2	रा.उ.मा.वि. मंच	30 जनवरी-1 फरवरी	चम्पावत	40	81	210	331
3	रा.हाई स्कूल पल्सों	3-6 फरवरी	चम्पावत	40	148	-	188
4	पूर्व मा.वि. मुडियानी	7-9 फरवरी	चम्पावत	44	83	90	177
5	रा.उ.मा.वि. खूनाबोरा	11-14 फरवरी	लोहाघाट	45	124	24	193
6	रा.इ.का. बापरू	15-17 फरवरी	बाराकोट	46	151	-	197
7	रा.इ.का. लोहाघाट	20-22फरवरी	लोहाघाट	36	314	110	460
8	रा.बा.इ.का. चम्पावत	23-25 फरवरी	चम्पावत	36	491	-	526
9	रा.उ.मा.वि. कुलेठी	2-4 मार्च	चम्पावत	23	60	-	83
10	रा.उ.प्रा.वि. खर्ककार्की	11-14 मार्च	चम्पावत	35	45	-	80
11	रा.इ.का. पुल्लहिण्डोला	16-17 मार्च	लोहाघाट	38	102	-	140
कुल लाभान्वित - 2590							

लाभः विज्ञान मेला कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को विज्ञान से सम्बन्धित विभिन्न अमूर्त अवधारणों को प्रत्यक्ष अनुभव करने का मौका मिलता है। वे अपने हाथों से वर्किंग मॉडल बनाकर इन अवधारणाओं को खोजते हैं और उस पर सामूहिक चर्चाकर सीखते हैं। अब तक कक्षा में 'चॉक एंड टॉक' पद्धति से सीखने के असफल प्रयास करने वाले बच्चों के लिए अनुभव आधारित विज्ञान कार्यशाला वास्तव में सीखने के आनंद की कार्यशाला बन जाती है। विज्ञान मेले में इन बच्चों का आत्मविश्वास देखते ही बनता है, जिसे देखकर उनके शिक्षक भी अकसर हैरत में पड़ जाते हैं। ■

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 15

अनुभव आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाएं

प्रकरणः फल, फूल और बीज

विगत वर्ष की तरह हिमवत्स ने जुलाई 2023 में साइंस आउटरीच प्रोग्राम के तहत शीर्षक आधारित बाल विज्ञान कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना और उन्हें वैज्ञानिक विधि से परिचय कराना है। हमारी स्कूली विज्ञान शिक्षा पुस्तक या शिक्षक की बातों का रट्टा मारने तक सीमित है। इस परिपाटी में विज्ञान की समझ भाषा के अमूर्त दायरे से आगे नहीं बढ़ पाती और बच्चे वास्तविक अनुभवों के समृद्ध संसार से वंचित रह जाते हैं। बाल विज्ञान कार्यशालाओं का मकसद स्कूली शिक्षा के इस अधूरेपन को पूरा करना भी है। इन कार्यशालाओं में बच्चे विज्ञान सम्बंधी बुनियादी अवधारणाओं को प्रत्यक्ष अनुभव करने और उन्हें समझने का प्रयास करते हैं।

इस वर्ष हिमवत्स संस्था ने जुलाई 2023 में 'फल, फूल और बीज' विषय में विज्ञान कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस कार्यशाला के अंतर्गत पांच गतिविधियों को कराया जाता है। कार्यशाला की शुरूआत बच्चों में पेड़-पौधों के बारे में उनके अपने अनुभवों के आधार पर बनी समझ को बाहर निकालने से की जाती है। इसके बाद बच्चे वनस्पतियों में मौजूद पैटर्न की पहचानकर उनके गुणों को समझने का प्रयास करते हैं।

कार्यशालाओं का विद्यालय वार विवरण

क्र.	विद्यालय का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1.	रा.उ.प्रा.वि. खर्ककार्की	5-6 जुलाई 23	34
2.	ज.पू.मा.वि. मुडियानी	10-13 जुलाई 23	26
3.	रा.बा.इ.का. चम्पावत	19-20 जुलाई 23	35
4.	रा.इ.का. चम्पावत	21 जुलाई 23	19
5.	रा.उ.प्रा.वि. डुँगरासेठी	25 जुलाई 23	17
6.	रा.उ.प्रा.वि. कुलेठी	10 अगस्त 23	31

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 16

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 28 फरवरी 2023 को हिमवत्स ने राजकीय प्राथमिक, जूनियर विद्यालय एवं हिमवत्स संचालित केन्द्र कुलेठी कैम्पस में विज्ञान के प्रति जागरूकता एवं अभिरुचि पैदा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी) का आयोजन किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस महान वैज्ञानिक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के सम्मान में मनाया जाता है।

इस कार्यक्रम का संचालन रा.प्रा.वि. के प्रधानाध्यापक नवीन रस्यारा जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हिमवत्स कार्यकारिणी सदस्य डा. बी.सी. जोशी ने बच्चों को डा. सी. वी. रमन एवं अन्य वैज्ञानिकों के कार्यो से अवगत कराया। साथ ही राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की चित्रकला एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की सामान्य ज्ञान प्रतियोंगिता करायी गयी। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

इसके अलावा संस्था के स्वयं सेवकों ने बच्चों को विज्ञान के विभिन्न मनोरंजक प्रयोगों की जानकारी दी। बच्चों ने भी विज्ञान के विविध मॉडलों जैसे- प्रकाश का परावर्तन एवं अपवर्तन, गुरुत्व केन्द्र, चुम्बकीय बल रेखायें, विद्युत चुम्बक आदि के साथ विभिन्न प्रयोगों का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन से छात्रों में नई जागरूकता एवं अभिरुचि पैदा करने का सफल प्रयास किया जाता है। इस कार्यक्रम में श्रीमती कामनी वर्मा, स.अ. नरेश जोशी, मुन्नी अधिकारी, स्वयंसेवक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा, सुनील जोशी एवं बी.एड. प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे। ■

झलकियां

यूकॉस्ट प्रायोजित बाल विज्ञान मेले का समूह चित्र

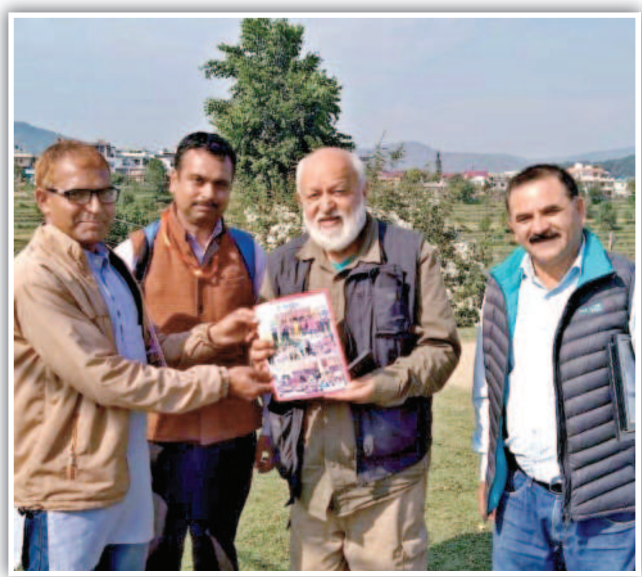

चम्पावत किताब कौतिक में प्रो. पुष्पेश पन्त के साथ

यूकॉस्ट विज्ञान प्रदर्शनी में हिमवत्स

झलकियां

नेत्रदान पखवाड़ा के एक कार्यक्रम की झलक

'प्रकृति की खोज' कार्यशाला का एक दृश्य

मेरी माटी मेरा देश अभियान

झलकियां

कंप्यूटर लर्निंग सेंटर कुलेठी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023

स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम

साइंस रिसोर्स सेंटर कुलेठी

झलकियां

हिमवत्स छात्रवृत्ति समूह चम्पावत

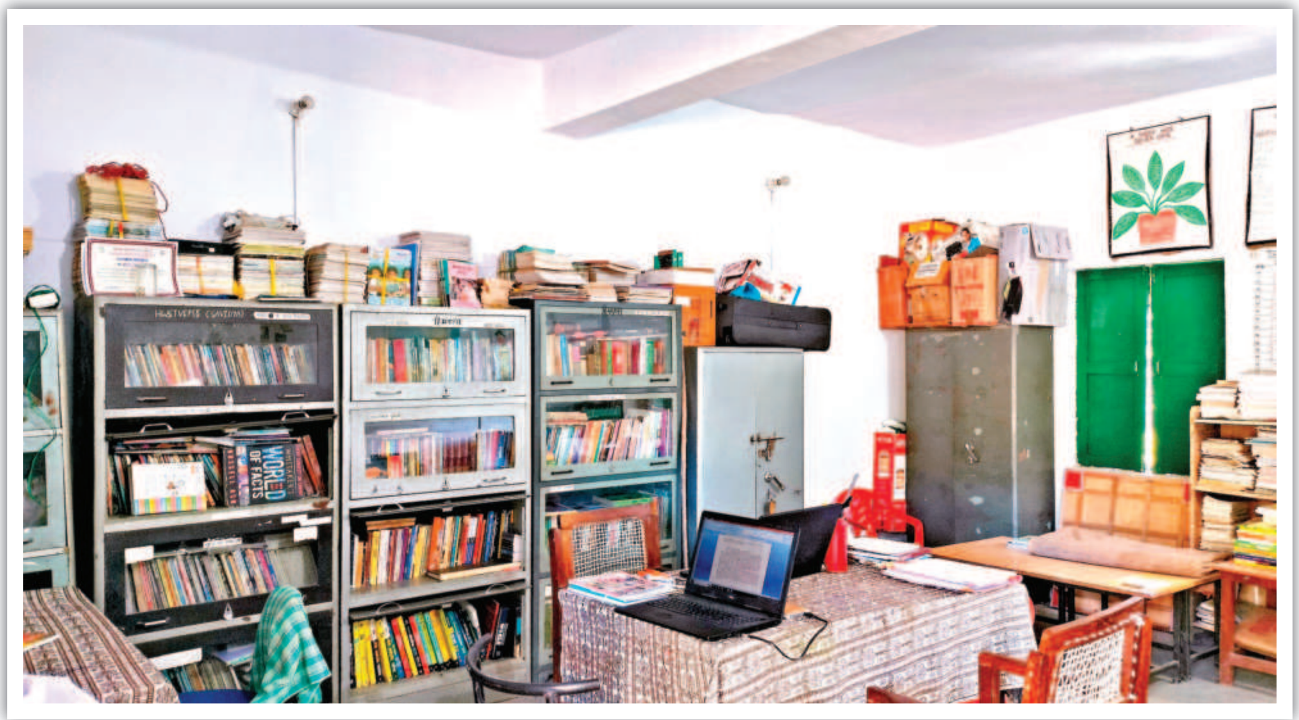

हिमवत्स पुस्तकालय

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पूर्वाभ्यास

संस्था के विशेष आग्रह पर शीत कालीन अवकाश के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रशिक्षकों द्वारा दिनांक 12-01-2023 को राजकीय प्राथमिक विद्यालय चम्पावत में हिमवत्स के स्वयंसेवकों एवं तैयारी कर रहे अंगीकृत विद्यालयों के 32 छात्र एवं छात्राओं द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पूर्वाभ्यास में प्रतिभाग किया गया।

सर्वप्रथम नवोदय विद्यालय के प्रशिक्षित अध्यापक आदित्य अवस्थी ने गणित में बच्चों को संख्याओं, भिन्नों का प्रतिशत निकालना तथा प्रतिशत के प्रश्नों को हल करना, पैटर्न पर आधारित प्रश्न, साथ ही परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं के विषय में भी छात्रों को बताया तथा कम समय में प्रश्नों को हल करने का सरल तरीका भी समझाया गया। एक ही प्रकार के 10-20 प्रश्न रोज हल किये जाएं जिससे सम्बन्धित प्रश्न को हल करना बच्चे के दिमाग में रहे, इस आधार पर बच्चे के साथ कार्य किया जाय, यह स्वयंसेवकों से अपेक्षा की गयी।

एजाज अहमद नें हिन्दी व मानसिक योग्यता की जानकारी दी उन्होने मानसिक योग्यता में बच्चों को दर्पण प्रतिबिम्ब, आकृति समस्या, भिन्न आकृतियों से सम्बन्धित प्रश्नों को हल करने का तरीका सिखाया तथा मानसिक योग्यता में 10 प्रकार की आकृतियों के बारे में बताया और उनके प्रश्नों को हल कराया। वर्गीकरण (भिन्न आकृति), समान आकृति, लुप्त भाग का चयन आदि अनेक प्रकार की आकृतियों के बारे सरल रूप में बताया और बच्चों से प्रतिदिन 50 से 100 आकृति हल करने को कहा। हिन्दी में समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्दों की जानकारी दी उन्होने छात्रो से प्रतिदिन रिवीजन करने को कहा। हिन्दी विषय में प्रश्न को कैसे हल करे और गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों को हल करने के बारे में बताया । इस कार्यक्रम में चम्पावत प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक कीर्तिबल्लभ गहतोड़ी एवं विभिन्न क्षेत्रों के विद्यालयों के बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे। ■

शिक्षक प्रशिक्षण

जिला संदर्भ समूह प्रशिक्षण कार्यशाला

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट) लोहाघाट में दिनांक 14 से 16 सितंबर 2023 को डी.आर.जी. (जिला सन्दर्म समूह) विज्ञान कार्यशाला के संचालन हेतु हिमवत्स को आमंत्रित किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन डाइट के विज्ञान फैकल्टी डा. अनिल मिश्रा ने किया। तत्पश्चात डा. पारुल शर्मा, डा. तलनिया, डा. अवनीश शर्मा, आदि ने अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि के रूप में डा. आर. सी. पाण्डेय पूर्व प्राचार्य डाइट लोहाघाट ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

कार्यशाला में चम्पावत जिले के 26 विज्ञान शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। हिमवत्स संस्था के स्वयंसेवक पंकज बोहरा, प्रकाश पुनेठा व सपना भन्डारी ने प्रशिक्षक के तौर पर कार्य किया। स्वयंसेवक पंकज बोहरा ने प्रतिभागी शिक्षकों को 6 समूहों में विभाजित किया तथा प्रत्येक समूह को आवश्यक सामग्री व निर्देश पत्र उपलब्ध कराए गए। इसके उपरांत प्रत्येक समूह को विज्ञान से सम्बन्धित प्रकरणों पर मॉडल बनाने हेतु उचित दिशा निर्देश दिये गये।

प्रथम दिन सभी छहों समूहों ने भोजन का सफर एवं सौरमण्डल के ग्रह सम्बंधी मॉडलों का निर्माण किया। कार्यशाला के दूसरे दिन सभी समूहों ने प्रकाश से सम्बन्धित मॉडल बनाए, जिनमें प्रकाश का परावर्तन, अपवर्तन, प्रकाश का पथ आदि प्रमुख थे। कार्यशाला के प्रथम एवं द्वितीय दिन सभी समूहों ने अपने-अपने मॉडल पूर्ण किये तथा उनका अभिलेखीकरण भी किया। कार्यशाला के अन्तिम दिन सभी समूहों ने अपने-अपने मॉडलों का बारी-बारी से प्रस्तुतीकरण किया गया तथा प्रत्येक मॉडल पर चर्चा परिचर्चा की।

प्रशिक्षण के समापन सत्र में डायट प्राचार्य ने प्रत्येक शिक्षक को तीन दिवसीय जिला संदर्भ समूह कार्यशाला (विज्ञान) का प्रमाण पत्र दिया तथा उक्त कार्यशाला में शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। ■

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 23

अन्तरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 2023

विश्व पर्यावरण दिवस **5 जून** 2023 को पूर्व की तरह इस वर्ष भी हिमवत्स ने राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय कुलेठी के प्रांगण में पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन किय। समारोह की अध्यक्षता डा. बी.डी. सुतेड़ी ने की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि श्री मनमोहन सिंह बोहरा जिला पंचायत सदस्य शक्तिपुर बुंगा चम्पावत, श्री शंकर दत्त पाण्डेय सामजिक कार्यकर्ता रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हिमवत्स के कार्यकारिणी सदस्य डा. बी.सी. जोशी द्वारा अतिथियों के स्वागत से किया गया। अतिथियों के हाथों वृक्षारोपण कार्यक्रम के अर्न्तगत विद्यालय कैम्पस में 5 पौधों का रोपण भी किया गया। इसके उपरान्त व्याख्यान गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. बी.डी. सुतेड़ी ने पर्यावरण रक्षा की जानकारी दी। मंच में उपस्थित अतिथियों एवं डा. एम.पी. जोशी, श्री जगदीश सिंह अधिकारी ने पौधों के संरक्षण एवं परितंत्र को स्वच्छ व सबल बनाने का आह्वान किया तथा वनाग्नि से जंगल की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता जताई।

इस कार्यक्रम 7 राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की चित्रकला और सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जूनियर स्तर के 7 विद्यालयों रा.पू.मा.वि. कुलेठी, खर्ककार्की, रा.बा.इ.का. चम्पावत, रा.मा.वि. फुंगर, ज.मा.वि. मुड़ियानी, रा.उ.मा.वि. पल्सों, कु.ए.स.वि. चम्पावत ने प्रतिभाग किया जिसमें कुल 28 प्रतिभागी थे।

क्विज प्रतियोगिता में टीम फुंगर मुडियानी पल्सौ विद्यालय एवं चित्रकला प्रतियोगिता में कु. तनुजा चौधरी (कुलेठी विद्यालय), सूरज जोशी (संस्कृत विद्यालय) तथा कु. हेमा (खर्ककार्की विद्यालय) प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया और समस्त प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को भी सम्मान स्वरूप पुरस्कृत किया गया। जूनियर विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री रुद्र सिंह बोहरा द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस कार्यक्रम में एम.सी. रस्यारा, ग्राम प्रधान पुनेठी कुन्दन सिंह, प्रधानाध्यापक नवीन चन्द्र रस्यारा, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाए तथा हिमवत्स स्वयंसेवक शिक्षक उपस्थित थे। ■

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 24

तीन दिवसीय ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में हिस्सेदारी

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) देहरादून द्वारा विज्ञान की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार एवं शोधार्थियों को एक मंच में पर लाने के उद्देश्य से 17वीं उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2023 के अन्तर्गत ग्रामीण कांग्रेस का आयोजन किया गया। यह आयोजन 10 से 12 फरवरी 2023 को विज्ञान धाम झाजरा, देहरादून में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय पुष्कर सिह धामी ने किया।

संस्था द्वारा उक्त तीन दिवसीय ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसमें संस्था की ओर से दो स्वयंसेवकों- प्रकाश पुनेठा एवं पंकज बोहरा के अलावा दो विद्यालयों (रा.उ.प्रा. विद्यालय कुलेठी एवं खर्ककार्की) के दो-दो छात्रों ने प्रतिभाग किया। ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस कार्यक्रम में हिमवत्स द्वारा लगायी गई विज्ञान प्रदर्शनी जन-जन में विज्ञान के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा उत्पन्न करने तथा अंगीकृत विद्यालय से चयनित 4 छात्रों को इस विज्ञान प्रर्दशनी के माध्यम से एक उचित मंच उपलब्ध कराने में कारगर सिद्ध हुई। विज्ञान प्रर्दशनीं में संस्था ने 20 विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शन किया।

इन मॉडलों में मुख्य रूप से चुम्बकीय ट्रेन, चुम्बकीय बल रेखा, कीलों का सन्तुलन, प्रकाश का परावर्तन, अनंत पथ, पंछी पिंजरे में, सी.डी. का सन्तुलन, ग्रहों का मॉडल, आज्ञाकारी गेंद, विद्युत चुम्बक आदि के सिद्धान्तों, कार्यविधि आदि को समझाया गया था। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पन्त ने संस्था के स्टाल पर आकर प्रदर्शित मॉडलों को देखा तथा संस्था के संस्थापक प्रो. एच.डी. बिष्ट की सराहना की।

तीन दिवसीय ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभाग करने वाले स्वयंसेकों एवं छात्रों ने अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रतिभाग से उन्हें राज्य भर से आये अन्य प्रतिभागियों से मिलने और उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने की इच्छा जताई।

ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान की प्रदर्शनी के अन्तिम दिन समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर कार्यक्रम का समापन हुआ। ■

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 25

किताब कौतिक एवं पुस्तक मेलों में शिरकत

सामाजिक कार्यकर्ता श्री हेम पंत और उनके साथियों द्वारा विगत वर्ष से राज्य के विभिन्न नगरों में पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'किताब कौतिक' (पुस्तक मेला) नामक नवाचारी अभियान शुरू किया गया है। जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित होने वाले इस अभियान में पुस्तक मेले के अलावा अनेक शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। हिमवत्स संस्था को भी किताब कौतिक के कुछ आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिला।

टनकपुर पुस्तक मेला

दिनांक 24-12-2022 एवं 25-12-2022 को चम्पावत जिले के टनकपुर नगर में राज्य का पहला किताब कौथिक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिमवत्स संस्था ने भी प्रतिभाग किया और मेले में विज्ञान प्रदर्शनी लगायी। कार्यक्रम में किताबों से सम्बन्धित कुल 32 स्टाल लगाये गये थे।

इस दो दिवसीय पुस्तक मेले में संस्था द्वारा लगाये गयी विज्ञान प्रदर्शनी को स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न 20 विद्यालयों के लगभग 2500 छात्र-छात्राओं ने देखा और सराहा ।

संस्था के ओर से सलाहकार गौरव बोहरा के अलावा स्वयंसेवक पंकज बोहरा व सुनील जोशी ने इस आयोजन में प्रतिभाग किया तथा स्थानीय लोगों एवं छात्र-छात्राओं के सम्मुख विज्ञान के 16 मॉडलों का बारी बारी से प्रदर्शन किया। साथ ही छात्र-छात्राओं की विज्ञान सम्बंधी जिज्ञासाओं को दूर किया। अन्त में आयोजन समिति के ओर से किताब कौतिक में प्रतिभाग किये जाने पर संस्था को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

किताब कौतिक बैजनाथ (बागेश्वर)

दिनांक 15-04-2023 एवं 16-04-2023 को किताब कौतिक शृंखला के दूसरे आयोजन बैजनाथ किताब कौतिक

अकादमिक क्रियाकलाप

में हिमवत्स को प्रतिभाग हेतु आमंत्रण मिला। इस मौके पर भी संस्था द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी लगायी गयी। इस कार्यक्रम का उदघाटन बागेश्वर की जिलाधिकारी श्रीमती अनुराधा पाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न विषयों से सम्बन्धित स्टाल लगाये गये थे। इस आयोजन में भी संस्था द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी को स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1000 छात्र-छात्राओं ने देखा और सराहा। संस्था के स्टॉल पर स्वयंसेवक पंकज बोहरा व प्रकाश पुनेठा ने 15 विज्ञान के मॉडलों के माध्यम से स्थानीय लोगों एवं छात्र-छात्राओं का ध्यान आकर्षित किया तथा उनकी विज्ञान से सम्बन्धित जिज्ञासाओं का समाधान किया।

अन्त में आयोजन समिति द्वारा दो दिवसीस किताब मेले में सक्रिय प्रतिभाग किये जाने पर संस्था को स्मृति चिन्ह तथा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

किताब कौतिक मेला चम्पावत

जिला प्रशासन चम्पावत के सहयोग से आयोजित किताब कौतिक में हिमवत्स संस्था ने भी प्रतिभाग किया। इस आयोजन का उद्घाटन चंपावत के जिलाधिकारी श्री नरेंद्र सिंह भंडारी एवं प्रख्यात चिंतक प्रो. पुष्पेश पंत ने किया।

कार्यक्रम में पुस्तकों, विज्ञान एवं उत्तराखंड की संस्कृति से संबंधित स्टॉल लगाये गये। इस दो दिवसीय पुस्तक मेले में हिमवत्स संस्था की ओर से लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के लगभग 1000 छात्रों ने अवलोकन किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में प्रकाश, वायुदाब, चुम्बक, विद्युत परिपथ, मानव कंकाल और मानव शरीर पर आधारित 20 विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए गए। संस्था के स्वयंसेवकों द्वारा इन मॉडलों की व्याख्या की जा रही थी। आयोजन के समापन पर आयोजन समिति द्वारा प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र दिये गये। ■

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 27

साविद्या स्मारिका विमोचन कार्यक्रम

दिनांक 15 दिसम्बर 2022 को हिमालय वाटर सर्विस तथा विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति डडा-चम्पावत में हिमवत्स साविद्या स्मारिका के (15वें अंक) विमोचन कार्यक्रम का आयोजन सी.डी.एल.ए.एस.आर.सी. कैम्पस प्रा. तथा जूनियर विद्यालय कुलेठी में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन से की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चम्पावत नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि ब्लाक शिक्षा अधिकारी श्री भारत जोशी एवं श्री कैलाश पाण्डेय रहे। कार्यक्रम का संचालन हिमवत्स सदस्य श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने किया। संस्था सचिव डा. जी.बी. बिष्ट एवं कार्यकारिणी सदस्य डा. बी.सी. जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर हिमवत्स संस्था का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया, संस्था चम्पावत में विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि पर कार्य कर रही है तथा जनपद स्तरीय क्रिया कलापों में भी सहयोग करती रहती है। पत्रिका विमोचन कार्यक्रम में आये समस्त गणमान्य व्यक्तियों को संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा अतिथियों ने संस्था द्वारा संचालित विज्ञान संसाधन केन्द्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं के द्वारा तैयार किये गये विज्ञान प्रयोगों को देखा साथ ही पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर कक्ष का अवलोकन किया।

संस्था के विविध कार्यक्रमों, जैसे- शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण के साथ ही चम्पावत क्षेत्र के विद्यालयों में विज्ञान की गतिविधि को आगे ले जाने हेतु गर्ल्स इण्टर्नशिप प्रोग्राम के माध्यम से छात्राओं को जोड़ने का कार्य भी किया गया है। इसके अलावा संस्था डिजिटल शिक्षा के माध्यम से भी छात्र-छात्राओं को लाभान्वित कर रही है और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए मेधावी निर्धन छात्रवृत्ति भी दे रही है।

कार्यक्रम के अन्त में श्री गहतोड़ी ने सभी उपस्थित अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षक श्री आदित्य कुमार अवस्थी, श्री कैलाश पाण्डेय, श्री पूरन लाल वर्मा, डॉ. एम.पी. जोशी, श्री बी.डी. फुलारा, श्री हेम चन्द्र जोशी, श्री रुद्र सिंह बोहरा, श्री नवीन चन्द्र रस्यारा, शिक्षक, शिक्षिका, आँगनवाड़ी कार्यकत्री तथा हिमवत्स स्वयंसेवक आदि उपस्थित रहे। ■

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 28

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण जागरूकता शिविर

दिनांक 15-02-2023 को राजकीय प्राथमिक/जूनियर विद्यालय एवं हिमवत्स संचालित विज्ञान संसाधन केन्द्र कुलेठी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी चम्पावत के माध्यम से तंबाकू नियंत्रण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सर्वजनिक स्थलों पर नशे तथा धूम्रपान को कानूनी अपराध मानते हुए कानूनी सजा के प्रावधानों से अवगत कराया तथा नशा मुक्ति हेतु सामाजिक चेतना को जागृत करने का आह्वान एवं भावी क्रियाकलापों से अवगत कराया गया। जागरूकता कार्यक्रम में तंबाकू सेवन न करने की सलाह ग्रामीणों व बच्चों को दी गयी तथा नशे की लत से बचने के लिए दोनों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को खेल सामग्री वितरित की गयी और समस्त छात्र-छात्राओं को जागरूक व सजग किया गया तथा तम्बाकू का सेवन न करने की शपथ ग्रहण करायी गयी।

13वां विश्व ग्लूकोमा सप्ताह

संस्था द्वारा ग्लूकोमा सप्ताह के तीसरे दिन दिनांक 14 मार्च को राजकीय प्राथमिक/जूनियर विद्यालय एवं हिमवत्स संचालित विज्ञान संसाधन केन्द्र कुलेठी परिसर में संस्था सचिव डा. जी.बी. बिष्ट के माध्यम से 13वां विश्व ग्लूकोमा सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष की थीम ''आओ अदृश्य ग्लूकोमा को हटायें'' पर क्षेत्र के लोगों तथा दोनों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को ग्लूकोमा की जानकारी दी गयी तथा आँखों को कैसे स्वस्थ्य रखने पर विशेष चर्चा की गयी। इसी के साथ समय-समय पर आँखों की जांच करवाने की सलाह दी गयी।

इसके उपरान्त प्रतिभागी ग्रामीणों व छात्र-छात्राओं की आँखों की जाँच की गयी। जांच के उपरान्त सभी लोगों को उचित सलाह दी गयी और कुछ ग्रामीणों को निर्धारित समय रहते हुए आपरेशन तथा इलाज करने का मशवरा दिया गया। इस कार्यक्रम में समस्त शिक्षक, अभिभावक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे। ■

विश्व योग दिवस वर्ष 2023

हिमवत्स संस्था की ओर से कुलेठी प्राथमिक विद्यालय परिसर में 21 जून को विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्य तथा योग प्रशिक्षित जिला महामंत्री पतंजली योग समिति श्री राजेन्द्र गहतोड़ी ने प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालय कुलेठी के छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों को योग अभ्यास करवाया।

श्री गहतोड़ी ने योगाभ्यास में सर्वप्रथम शरीर को गतिमान बनाने के लिए यौगिक-जौगिक से प्रारम्भ कर सूर्य नमस्कार कराया। तत्पश्चात कुछ खड़े तथा कुछ बैठकर आसन किये गये जिनमें ताड़ासन, वृक्षासन, कटिचक्रासन, पादहस्तासन, दन्डासन, ब्रजासन, वक्रासन, गोमुखासन, शशकासन, मंडूकासान, पवनमुक्तासन आदि थे। प्रणायाम में भस्तिका, कपालभाति, भ्रामरी, उज्जायी आसान कराए गए। उन्होंने ध्यानयोग के पश्चात सिंहासन एवं हास्यासन से योग अभ्यास का समापन किया और योग से होने वाले लाभ तथा दैनिक जीवन में योग के महत्व को बताया।

इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के प्रधानाध्यापक- रुद्र सिंह बोहरा, नवीन चंद्र रस्यारा, शिक्षक नरेश जोशी, शिक्षिका कामिनी वर्मा, मुन्नी अधिकारी, रीना भटट्, हिमवत्स स्वयंसेवक प्रकाश पुनेठा, पंकज बोहरा, निर्मल पाटनी, सपना भण्डारी एवं प्रियंका आदि के अलावा अनेक छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे। ■

गैर-अकादमिक क्रियाकलाप

छात्रवृत्ति विवरण समारोह 2023

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी राजकीय इण्टर कालेज नारायण नगर कुसमखेड़ा हल्द्वानी एवं राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय कुलेठी स्थित हिमवत्स विज्ञान संचालित केन्द्र में क्रमशः 27 अक्टूबर 2023 एवं 22 अक्टूबर 2023 को छात्रवृत्ति वितरण समारोह आयोजित किया गया। हल्द्वानी में कार्यक्रम का शुभारम्भ यू.एस.ए. से आये एन.आर.आई. श्री विक्रम तोरनपुरी एवं चम्पावत में जिलाधिकारी श्री नवनीत पाण्डेय एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री भारत जोशी द्वारा किया गया।

चम्पावत में जिला अधिकारी से सबसे पहले विज्ञान संसाधन केन्द्र, अटल टिंकरिंग लैब व कम्प्यूटर केंद्र का अवलोकन किया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। हिमवत्स की ओर से डॉ. बी.सी. जोशी ने कार्यक्रम की रूपरेखा के साथ-साथ संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुलेठी के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

विदित हो कि विगत कई वर्षों से चम्पावत, नैनीताल तथा पिथौरागढ़ जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाईस्कूल तथा इण्टरमिडिएट में पढ़ रहे निर्धन एवं मेधावी विद्यार्थियों को हिमवत्स एवं गिरिवाला पन्त छात्रवृत्ति दी जा रही है। संस्था के सचिव डा. जी.बी. बिष्ट ने बताया कि छात्रवृत्ति सन 2005 से लगातार दी

Himvant Magazine_2023_Himvats Magazine 12-12-2023 13:23 Page 31

जा रही है। छात्रवृत्ति का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पढ़ने के प्रति रुचि जगाना है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक को रु. 1000 प्रति छात्र, हाईस्कूल को रु. 1500 प्रतिछात्र तथा इण्टर मिडिएट को रु. 2500 प्रति छात्र दी जाती है।

यह छात्रवृत्ति प्रो. बिष्ट द्वारा स्वयं तथा उनके कुटुम्बजनों, सम्बन्धियों, संस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता रखने वाले सहयोगियों, चिकित्सकों के योगदान तथा स्व. आर.सी. पन्त द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्व. प्रो. गिरिबाला पन्त के नाम से जमा धनराशि के ब्याज से दी जा रही है। अभी तक संस्था द्वारा कुल 25 लाख की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में दी जा चुकी है। इस वर्ष 146 छात्र-छात्राओं को 2 लाख 75 हजार 500 रुपए की धनराशि वितरित की जा रही हैं। छात्रवृत्ति राशि छात्र-छात्राओं के बैंक खाते में जमा की जाती है तथा साथ में छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने संस्था की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और भविष्य में इस प्रकार के कार्य करते रहने के लिए सहयोग करने का भी आश्वासन दिया । इस कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष प्रो. के.के. पाण्डेय सचिव डा. जी.बी. बिष्ट, संस्था सहयोगी राजेन्द्र गहतोड़ी, डा. बी.सी. जोशी, सी.एम. जोशी, प्रधान सुन्दर सिंह नेगी, एम.सी. रस्यारा, दिनेश बिष्ट, प्रधानाचार्य रुद्र सिंह बोहरा, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक/शिक्षिकाएं एवं विद्यालय के व समस्त शिक्षक शिक्षिकायें तथा हिमवत्स के स्वयंसेवक उपस्थित थे। ■

शैक्षिक आलेख

अपने आप पढ़ सकते हैं बच्चे

कुदरत ने बच्चों में डाली है स्वयं सीखने की क्षमता

■ प्रो. पीटर ग्रे

एक वयस्क के रूप में अपने बच्चों के प्रति और दुनिया भर के बच्चों के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि बच्चों के लिए हम एक सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक और सम्मानजनक महौल बनाएं, ताकि उनका संतुलित विकास हो। हमारी यह भी जिम्मेदारी है कि बच्चों को भरपेट भोजन, शुद्ध हवा, खेलने को प्रदूषण मुक्त जगह तथा सभी आयुवर्ग के लोगों के साथ घुलने-मिलने और बातचीत करने का पर्याप्त मौका मिले। हमारी जिम्मेदारी है कि खुद को एक नेक इंसान के रूप में उनके सामने पेश कर सकें। लेकिन एक चीज की हमें कतई चिन्ता नहीं करनी चाहिए कि उन्हें सिखाया-पढ़ाया कैसे जाय।

बच्चों के लिए पाठ्यक्रम, पाठ योजना, सीखने का प्रोत्साहन, परीक्षा और उन सब बातों की चिन्ता हमें नहीं करनी चाहिए, जिन्हें शिक्षाशास्त्र के दायरे में रखा जाता है। इसके बजाय हमें इन बातों में खर्च होने वाली ऊर्जा को ऐसे साफ-सुथरे वातावरण के निर्माण में लगाना चाहिए जहां बच्चे ठीक से खेल सकें। बच्चों की शिक्षा बच्चों की खुद की जिम्मेदारी है, हमारी नहीं। यह काम सिर्फ वही कर सकते हैं। इसके लिए वे कुदरतन तैयार होते हैं। शिक्षा को लेकर हमें मात्र इतना करना है कि बच्चों के पीछे खड़े रहें और इसे होने दें। शिक्षा को हम जितना ज्यादा नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे, उतना ज्यादा उसे होने से रोकेंगे।

मैं जब कहता हूं कि शिक्षा हासिल करना बच्चों की खुद की जिम्मेदारी है और प्रकृति ने उन्हें इस क्षमता के साथ पैदा किया है, तो मैं आपसे यह अपेक्षा नहीं रखता कि आप मेरी बात यूं ही मान लें। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां किसी जमाने में सहज रूप से होने वाली इस प्रक्रिया के प्रमाण सरसरी तौर पर दिखाई नहीं देते। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां लगभग हर बच्चा और किशोर स्कूल भेजा जाता है, साल दर पहले से से कम उम्र में तथा पहले से ज्यादा उम्र तक। इन ह्यस्कूलोंह्न का एक मानक अर्थ है। हम शिक्षा को परीक्षाओं में मिलने वाले अंकों के आधार पर आंकते हैं, इसके आधार पर बच्चे एक स्तर से दूसरे तक पहुंचते हैं। ऐसे में, यह बात स्वाभावित प्रतीत होती है कि शिक्षा एक ऐसी चीज है जो इस हुनर के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षाशास्त्रीय कला एवं विज्ञान के जरिए सम्पन्न होती है। ये विशेषज्ञ दरअसल जानते हैं कि बच्चे को किस तरह रफ्तार दी जाए कि कच्चा माल एक शिक्षित उत्पाद में तब्दील हो जाए।

इसलिए, अपने दावों के पक्ष में प्रमाण प्रस्तुत करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूं। बच्चों की स्वयं सीख पाने की सामर्थ्य के सीधे प्रमाण ऐसी कई जगहों में देखे जा सकते हैं, जहां वे स्कूल जैसी किसी चीज के संपर्क में नहीं हैं। यहां मैं ऐसी तीन जगहों का जिक्र करूंगा।

1. **बच्चों की अच्छी-खासी शिक्षा स्कूल पहुंचने से पहले ही हो जाती है।** खुद शिक्षित होने की बच्चों की क्षमता को उनके पहले चार-पांच सालों के स्कूलपूर्व जीवन में देखा जा सकता है। इन्हें अब तक औपचारिक ढंग से कुछ भी सिखाने का प्रयास नहीं हुआ है। जरा सोचिए, इन शुरूआती वर्षों में बिना किसी पेशेवर मदद के बच्चे क्या कुछ नहीं सीख लेते हैं! वे

चलना, दौड़ना, कूदना और चढ़ना सीखते हैं। वे अपने आसपास की हर भौतिक वस्तु के गुण और उन्हें बरतना सीख जाते हैं। वे अपनी मातृभाषा सीखते हैं, जो किसी भी मनुष्य के लिए ज्ञानात्मक चुनौती के लिहाज से बेहद जटिल काम है। वह दूसरे लोगों के मनोविज्ञान को समझना भी सीख जाते हैं- दूसरों को कैसे खुश किया जाता है, कैसे चिढ़ाया जाता है, कैसे उनसे अपनी जरूरत की चीजें हासिल की जाती हैं। ये सब बातें वे किसी बड़े द्वारा तैयार किए गए पाठ को पढ़कर नहीं सीखते, बल्कि खेल-खेल में स्वयं अपने प्रयासों से, अपनी कभी समाप्त न होने वाली जिज्ञासा से और दूसरे लोगों के व्यवहार को ध्यानपूर्वक देखने की अपनी सहजवृत्ति के कारण सीखते हैं।

2. **शिकारी संग्राहक समाजों के बच्चे स्कूल जैसी किसी संस्था के बिना बन जाते हैं सफल वयस्क।** मानव इतिहास के अधिकतर हिस्से में हमारे पूर्वज छोटे-छोटे घुमंतू समूहों में रहते थे। हमारा बुनियादी प्राकृतिक स्वभाव- हमारा खिलंदड़ान, उत्सुकता और सीखने के प्रति हमारी तमाम जैविक अनुकूलन क्षमताएं शिकारी संग्राहक जीवन शैली की देन है। कुछ शिकारी संग्राहक समूह हाल के वर्षों तक खुद को बचा पाने में कामयाब रहे। अफ्रीका, एशिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अमेरिका और अन्य जगहों पर पाए जाने वाले इन कबीलों के अध्ययन में मानवशास्त्रियों ने बच्चों के प्रति उनके व्यवहार में एक खास समानता देखी। इन समाजों में बच्चों व किशोरों को बड़ों की ओर से किसी भी तरह के हस्तक्षेप के बिना पूरे दिन अपने खेलों तथा रुचिओं के अनुसार जीने की छूट थी। बच्चे अपने खेलों व खोजों से खुद सीख सकते हैं, और जब वे तैयार हो जाते हैं तो अपने ज्ञान को कबीले के लाभ के लिए उद्देश्यपूर्ण कार्यों में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह भरोसा शिकारी संग्राहक समाजों को हजारों वर्षों के अपने अनुभव से मिला था। शिकारी संग्राहक समाजों के बच्चे अपनी खुद की पहल से ज्ञान व कौशल की उन तमाम किस्मों में पारंगत हो जाते थे, जिनकी कबीले के एक सफल वयस्क के बतौर जरूरत पड़ती है।

3. **हमारे समाज में भी कई बच्चे परम्परागत स्कूली शिक्षा के बिना सफल होते हैं।** मैसाचुसेट्स के सडबरी वैली स्कूल में मैंने कई वर्षों तक बच्चों व किशोरों को गौर से देखा है। यह स्कूल 40 वर्ष पहले कुछ ऐसे लोगों ने शुरू किया, शिक्षा के बारे में जिनके विचार शिकारी संग्रहकों से काफी मिलते-जुलते थे। स्कूल में चार वर्ष की उम्र के छोटे बच्चों से हाईस्कूल तक की उम्र के बच्चे आते हैं। लेकिन यह जगह आम परम्परागत स्कूल से जरा भी मेल नहीं खाती। यह एक ऐसी जगह है, जहां के लोकतांत्रिक वातावरण में सभी बच्चों को वास्तव में बड़ों की तरह सभी अधिकार मिले हुए हैं। यहां बच्चे पूरी तरह स्वनिर्देशित गतिविधियों से खुद को शिक्षित करते हैं। दरअसल यह ऐसा सुरक्षित परिवेश है जहां बच्चे खेल सकते हैं, खोज सकते हैं, जिम्मेदारी उठा सकते हैं और हर उम्र के लोगों के साथ सीधे संवाद कर सकते हैं। यहां कोई परीक्षा नहीं होती, न कोई सुनहरा सितारा या अन्य ईनाम दिया जाता है। यहां न कोई पास होता है और न ही फेल। न कोई पूर्वनिर्धारित पाठ या पाठ्क्रम, न ही पढ़ने के लिए कोई मान-मुनव्वल या जोर-जबर्दस्ती। न यहां किसी कर्मचारी को बच्चों की पढ़ाई के लिए जिम्मेदार बनाया जाता है। अब तक हजारों बच्चों ने इस परिवेश में रहकर अपने जीवन को संवारा है। यकीन मानिए, यहां से निकलकर वे शिकारी या संग्राहक नहीं बनते। वे कुशल कारीगर, कलाकार, रसोइए, चिकित्सक, इंजीनियर, उद्यमी, वकील, संगीतकार, वैज्ञानिक, समाजसेवी और सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनते हैं। वे उन सभी पेशों में नाम कमा रहे हैं, जिन्हें हम अपने समाज में इज्जत देते हैं।

(अनुवादः आशुतोष उपाध्याय)

तुम खुद ही एक दवा हो!

धूप और चांदनी में नहाकर निरोग बनो
निरोग बनो नदियों और झरनों की आवाज में डूबकर,
समुद्र की हलचल और
पक्षियों की फड़फड़ाहट से रू-ब-रू होकर.
पुदीने और पुदीने के पत्तों की खुशबू से,
नीम और यूकेलिप्टस से अपने घावों को दुरुस्त करो.
अपनी तबियत में लेवेंडर, रोजमेरी और
कैमोमाइल की मिठास भर लो.
अपनी गलबहियों में उतार लो कोको की फलियां
और दालचीनी का स्पर्श.
चाय में शक्कर नहीं, प्यार घोलो
और तारों को निहारते हुए चुस्कियां लो.
खुद को स्वस्थ बनाओ
उन चुम्बनों से जो हवाएं तुम्हें देती हैं
और बारिश के आलिंगनों से.
धरती पर उन सब के साथ नंगे पांव चलो
जो इससे जन्मे हैं और मजबूत बनो.
रोज अपने दिल की आवाज सुनो,
खुद की आंखों से दुनिया को देखो
और अपने दिमाग को और बेहतर बनाओ.
उछलो-कूदो, नाचो, गाओ
ताकि जीवन में खुशियों की आमद बढ़े.
और प्रेम की सुन्दरता से खुद को स्वस्थ बनाओ
और हमेशा याद रखो...
तुम खुद ही एक दवा हो.

मारिया सबीना
मेक्सिकाई वैद्य और कवि (1894-1985)
(अनुवाद : आशुतोष उपाध्याय)

तिवारी स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेंट

बस स्टेशन, चम्पावत

उच्च क्वालिटी की बाल मिठाई, चॉकलेट, बर्फी और बंगाली मिठाइयों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त

तिवारी होटल

प्रो. प्रकाश तिवारी

मो.: 9411038192

RAJENDER GAHTORI

C.M. Club Member

L.I.C OF INDIA

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Premium Collection Point

Near, Karnatak Hospital, Champawat

M: 9411546795/9837393989

प्रो. राजेन्द्र गहतोड़ी

निकट: कर्नाटक अस्पताल, चम्पावत

खर्कवाल मेडिकल स्टोर

मै. आर.डी. खर्कवाल एण्ड सन्स

हमारे यहाँ अंग्रेजी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक एवं जानवरों की दवाइयां उपलब्ध हैं

: प्रतिष्ठान:

1. खड़ी बाजार, निकट: स्टेट बैंक, चम्पावत
2. लोहाघाट रोड, चम्पावत

प्रो. हरीश खर्कवाल

फोन न.: 05965 230255/05965 230256

23 YEARS OF EXCELLENCE

"A Leading Group of Institutes of Uttarakhand"

Award of Excellence by CEGR
Top Institutes of India by GHRDC
Top Institutes of India by The Week
Top Institutes of India by OUTLOOK
Top 5 value for money Institutes of India by India Today

AMRAPALI GROUP OF INSTITUTES

AMRAPALI
GROUP OF INSTITUTES

16000+ ALUMNI | SAFTY FIRST SAFE ENVIRONMENT | HIGHLY RANKED | EXPERIENCED FACULTY | EXCELLENT PLACEMENTS | 3000+ STUDENTS

Courses

Commerce & Business Management: **MBA | BBA | B.Com [H]**

Hotel Management: **BHMCT | BHM | DHMCT | DHA | DHM**

Computer Applications : **MCA | BCA**

Engineering: **B. Tech.** (CSE, ME, AI & DS*, AI & ML*) | **Polytechnic** (Mechanical , Electrical)

Pharmacy & Sciences: **B. Pharm | D. Pharm**

Education: **B. Ed.**

Scholarships upto 100%

- Meritorious Students
- Female Candidates
- Uttarakhand Domicile
- Wards of Martyrs, Defence, Paramilitary, Police Home Guards, Para Police (Serving & Retired)
- Social Welfare Scholarships
- Tuition Fee Waiver (as per Govt Norms)
- Additional Annual Scholarship for Toppers
- Education Loan Support

Our Recruiters

HYATT, Oberoi, JW Marriott, DoubleTree, ITC Sonar, Westin, Sheraton, Trident, The Leela, Meridien, Fortune, Samkwang, wipro, ST Regis, Marriott, ITC Hotels, tcs, Mindtree, Infosys, Capgemini, accenture, ZOHO, nagarro, Deloitte, DeFacto, ARTECH, Gateway, Rubico, BYJU'S, UnifyCloud, aapna, OnGraph, Phronesis Partners, smartData, nyalazone, Rapidsoft, cloudEQ, Zentrix, neerinfo, Flyhomes, wobot, Acutec, IntelliPaat, Midas

and many more...

Wi-Fi Campus

Buses available from Haldwani, Golapar, Kashipur,Ramnagar, Rudrapur, Pantnagar and other nearby places.

Separate Hostel facility available for boys and girls.

REGISTER ONLINE @

Our Information Centres:
Almora - 9759693700
Pithoragarh - 9759693800

www.amrapali.ac.in

Contact Us @ **9759670100, 9759670200, 9759670300, 9759670400, 9759670500**

SHIKSHA NAGAR, KALADHUNGI ROAD, HALDWANI, DISTT. - NAINITAL, UTTARAKHAND-263139, admission@amrapali.ac.in